

Mahia Arts College, Motipura, Himmatnagar

COURSE OUTCOMES

B. A. Semester - I

B.A. Sem-I Course : Foundation Compulsory English-FC - 103

(Text : *Fantasy*)

The Paper is designed for students of Foundation Compulsory English. After completing the course the students are able ...

- To apply different language skills (Reading-Writing-Speaking-Listening) acquired during the course to their own practical life
- To read their text(s) with proper understanding
- To use vocabulary (words) and sentence patterns (text-based) in their own spoken and written English
- To solve grammatical exercises (e. g. Primary Auxiliaries, Tenses, Articles) themselves
- ◻ To read unseen passages and answer the questions testing their comprehension of the same

B. A. Semester - II

Course: Foundation Compulsory English-FC - 203

(Text : *Fantasy*)

The Paper is designed for students of Foundation Compulsory English. After completing the course the students are able ...

- To apply different language skills (Reading-Writing-Speaking-Listening) acquired during the course to their own practical life
- To read their text(s) with proper understanding
- To use vocabulary (words) and sentence patterns (text-based) in their own spoken and written English
- To solve grammatical exercises (e. g. Prepositions, Concord, Pronouns) themselves

- To apply their linguistic competence to the production of systematic composition, especially writing paragraphs of their own on familiar topics

B. A. Semester - III

Course: Foundation Compulsory English-FC - 303

(Text : *Glimpses of Life*)

The Paper is designed for students of Foundation Compulsory English. After completing the course the students are able ...

- To apply different language skills (Reading-Writing-Speaking-Listening) acquired during the course to their own practical life
- To read their text(s) with proper understanding
- To use vocabulary (Idioms and Phrases) and sentence patterns (text-based) in their own spoken and written English
- To solve grammatical exercises (e. g. Change the Voice, Modal Auxiliaries, Adjectives, Adverbs) themselves
- To apply their linguistic competence to the production of systematic composition, especially writing letters of personal nature : e. g. Personal, Complimentary, Request, Regret, Invitation

B. A. Semester - IV

Course: Foundation Compulsory English-FC - 403

(Text : *Glimpses of Life*)

The Paper is designed for students of Foundation Compulsory English. After completing the course the students are able ...

- To apply different language skills (Reading-Writing-Speaking-Listening) acquired during the course to their own practical life
- To read their text(s) with proper understanding
- To use vocabulary (Idioms and Phrases) and sentence patterns (text-based) in their own spoken and written English
- To solve grammatical exercises (e. g. Identification of Clauses, Non-Finite Verbs, Prefixes and Suffixes) themselves

- To apply their linguistic competence to the production of systematic composition, especially writing Application for jobs

B. A. Semester - V

Course: Foundation Compulsory English-FC - 503

(Text : *The Joy of Reading*)

The Paper is designed for students of Foundation Compulsory English. After completing the course the students are able ...

- To apply different language skills (Reading-Writing-Speaking-Listening) acquired during the course to their own practical life
- To read their text(s) with proper understanding
- To translate unseen passages from English into Gujarati or Hindi
- To use Phrasal Prepositions and Verbs in meaningful sentences of their own
- To solve grammatical exercises (e. g. Indirect Narration, Conjunctions) themselves
- To apply their linguistic competence to the production of systematic composition, especially writing Dialogues on given topics.

B. A. Semester - VI

Course: Foundation Compulsory English-FC - 603

(Text : *The Joy of Reading*)

The Paper is designed for students of Foundation Compulsory English. After completing the course the students are able ...

To apply different language skills (Reading-Writing-Speaking-Listening) acquired during the course to their own practical life

- To read their text(s) with proper understanding
- To developing story from the points given for help
- To solve grammatical exercises, e. g. Transformation, Synthesis, Correction (Articles, Prepositions, Tenses, Concord) of sentences themselves
- To apply their linguistic competence to the production of systematic composition, especially Preparing Speeches on given topics, such as Introducing

Chief Guest, Farewell Speech, Speech on Annual Function, Mourning the Death of a V. I. P., Vote of Thanks, Speech on Republic Day.

Department of Hindi

B.A. Sem. I

**Course – Core Compulsory and Core Elective CC
& CE 101 (आधुनिक हिन्दी काव्य)**

इस अभ्यास से विद्यार्थीयो को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुई ।

- आधुनिककाव्यधारा के विकास की जानकारी।
- भारत की सांस्कृतिक विरासत और उसकी भव्य गौरवशालीअतीत का ज्ञान
- छात्रों में राष्ट्रभावना का उद्दीपन
- छात्रों में सामाजिक तथा मानवताजैसे गुणों का आविर्भाव
- छात्रों में त्याग-बलिदान, प्रेम-सहयोग-मातृत्वजैसे गुणों का आविर्भाव

Course Code - CC & CE 102 आधुनिक हिन्दी गद्य हिन्दी कहानी)

इस अभ्यास से विद्यार्थीयो को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुई।

- आधुनिक हिन्दी गद्य की तत्कालीन विभिन्न परिस्थितियों की जानकारी
- मार्क्सवादी विचारधारा और प्रगतिवाद की जानकारी
- सभानता की भावना का प्रसार तथा राष्ट्रभावना का उदय
- समाज के विभिन्न सारों का तथा परिस्थितियों का आंकलन

Course - Elective Open

Code - E O 105 (सामान्य हिन्दी)

इस अभ्यास से विद्यार्थीयो को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुई ।

- विद्यार्थीयो को हिन्दी की श्रेष्ठ रचनाओं का रसास्वाद
- छात्र सम-सामयिकघटनाओं तथा परिस्थितियों का अध्ययन

- मुहावरे और कहावतों के भाषाप्रयोग की समक्ष देकर छात्रों का भाषाकौशल्यवर्द्धन

B.A. Sem. II

Course Code - CC & CE 201 आधुनिक हिन्दी पद्य (खण्ड काव्य)

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- पौराणिक मिथको की जानकारी
- हिन्दी-काव्योमें वर्णित महाभारत के विषयवस्तु-आधारित जानकारी
- अधिकार के विषय में जागृति
- सामाजिकता तथा मानवता जैसे गुणों का आविर्भाव
- पौराणिक साहित्य में वर्णित पात्रों का आधुनिक कवि द्वारा निरूपित अभ्यास

Course Code - CC & CE 202 आधुनिक हिन्दी गद्य (उपन्यास)

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- आधुनिक गद्य की विभिन्न धाराओं तथा विशेषतः उपन्यास की जानकारी
- प्रेमचंदजी के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय
- तत्कालीन राजकीय, आर्थिक सामाजिक इत्यादि परिस्थितियाँ का ज्ञान
- समाज में व्याप्त दूषण एवं समस्याओं की जानकारी
- तत्कालीन समाज में नारी के स्थान की जानकारी

Course Code - E O 205 (सामान्य हिन्दी)

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- उपन्यासधारा का स्वरूप और विकास का परिचय
- प्रसिद्ध लेखक धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व एवं कृतित्वका परिचय
- साहित्य के द्वारा तर्कशक्ति का विकास
- मुहावरे तथा कहावतों के अभ्यास से भाषाकीय सज्जता
- अनुवादकला तथा अभिव्यक्ति का आविर्भाव

B.A. Sem. III

Course Code - CC & CE 303 मध्यकालीन काव्य

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- मध्यकालीन काव्य के स्वरूप एवं विषय की जानकारी
- कबीर, तुलसी इत्यादि के साहित्यिक विचारों का परिचय
- उदात्त जीवन-मूल्य एवं चरित्र भावना का परिचय एवं आविर्भाव
- आध्यात्मिक मूल्यों का आविर्भाव

Course Code - CC & CE 304 आधुनिक हिन्दी गद्य (सात श्रेष्ठ एकांकी)

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- आधुनिक एकांकी के स्वरूप और तत्वों की जानकारी
- हिन्दी रंगमंच और नाट्यकला की जानकारी
- हिन्दी नाटकों के प्रति रस एवं रुचि की वृद्धि
- अभिनय क्षमता का विकास

CourseCode-CC305 प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी साहित्य का इतिहास

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- ऐतिहासिक काल-गणना का परिचय
- हिन्दी भाषा के उद्दगम और विकास की जानकारी
- प्राचीन हिन्दी साहित्य की परंपरा की जानकारी
- तत्कालीन परिस्थितियों की जानकारी
- आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल के लेखक और उनकी कृतियों का परिचय

B.A. Sem. IV Course Code - CC & CE 403 मध्यकालीन हिन्दी कविता

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- मध्यकालीन काव्य के स्वरूप एवं विषयकी जानकारी
- भक्तिधाराओं एवं मीरां, सूरदास इत्यादि के काव्यो का परिचय
- उदात्त जीवन-मूल्य एवं चरित्र भावना का परिचय एवं आविर्भाव

Course Code - CC & CE 404 आधुनिक हिन्दी गद्य (नाटक)

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- आधुनिक नाटक के स्वरूप एवं लाक्षणिकता की जानकारी
- हिन्दी रंगमंच और नाटयविषयक जानकारी
- हिन्दी नाटको के प्रतिरस एवं रूचि का विकास
- अभिनय कला का विकास

Course Code - CC 405 प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी सगुणभक्ति काव्य का इतिहास

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- मध्यकालीन हिन्दी भक्तिकाव्यो के स्वरूप का परिचय
- मध्यकालीन हिन्दी भाषा का परिचय
- सगुणभक्तिविषयक काव्य एवं कवियों की जानकारी
- भक्ति काव्यों में तुलसीदास एवं सूरदास के योगदान का परिचय
- रीतिकाल की विभिन्न धाराओं का परिचय

B.A. Sem. V

Course Code - CC 506 हिन्दी साहित्य का इतिहास-आधुनिक काल

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- आधुनिक काल की विभिन्न परिस्थितियों का आकलन
- आधुनिक गद्य का परिचय
- भारतेन्दु -द्विवेदीयुग की प्रवृत्तियों की जानकारी
- आधुनिक गद्य के विविधस्वरूपों का परिचय

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- विवेचनकला का विकास
- विवेचन के प्रति अभिगम की वृद्धि और बौद्धिकता का विकास
- भारतीय काव्यपरंपरा तथा सिद्धांतों का ज्ञान
- भारतीय के विभिन्न संप्रदायों की जानकारी
- काव्य का स्वरूप, प्रयोजन, हेतु इत्यादि का अभ्यास
- काव्यशास्त्र के अंतर्गत छंद, अलंकार इत्यादि का परिचय

Course Code-CC-508 निबंध और व्यंग्यरचनाएं

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- निबंध का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप की जानकारी
- निबंध के विविध तत्वों का एवं विशिष्ट निबंधकारों का परिचय
- व्यंग्यरचना का स्वरूप एवं व्यंग्य साहित्य में निरूपित व्यंग्य की समझ
- व्यंग्यसाहित्य एवं निबन्धसाहित्य के प्रति रस, रूचि में अभिवृद्धि

Course Code-CC-509 हिन्दी व्याकरण

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- व्याकरण विषयक अभिगम का विकास
- भाषा और व्याकरण के संबन्ध की जानकारी
- वर्ण, संज्ञा इत्यादि व्याकरण के तत्वों का ज्ञान
- व्याकरण के प्रति रस और रूचि का विकास
- भाषा सज्जता एवं भाषा शुद्धि का आविर्भाव

Course Code-CC-510 प्रयोजनमूलक हिन्दी

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- प्रस्तुत विषय एवं विषयसंबंधी परिभाषा का विकास
- भारतीय संविधान अंतर्गत हिन्दी का परिचय
- प्रयोजनमूलक हिन्दी का विकास और उसका प्रयोग

B.A. Sem. VI

Course Code - CC 606 हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का सविस्तृत परिचय
- आधुनिक हिन्दी पद्य साहित्य के विभिन्न प्रकारों का परिचय
- आधुनिक हिन्दी साहित्यकार एवं उनकी रचनाओं का परिचय

Course Code-CC-607 भारतीय साहित्य सिद्धांत एवं समीक्षा

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- कलाविषयक विचारों की स्पष्टता
- पाश्चात्य साहित्यधाराओं की जानकारी
- प्लेटो इत्यादि पाश्चात्य विद्वानों के साहित्य सिद्धांतों का परिचय
- प्रमुख आलोचक रामचन्द्र शुक्ल इत्यादि की विवेचनकला का ज्ञान

Course Code-CC-608 प्रयोगवादी हिन्दी काव्य

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- आधुनिक हिन्दी काव्यप्रवाह हालावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद समकालीन कविता का परिचय
- पूर्वोक्त साहित्य के रचनाकारों का परिचय
- साहित्य और जीवन के संबन्ध का ज्ञान

Course Code-CC-609 हिन्दी भाषा और लिपि

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- भाषा और लिपिविषयक जानकारी
- हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास की जानकारी
- हिन्दी भाषा-भाषी क्षेत्र तथा हिन्दी की उपभाषाओं एवं बोलीयों का परिचय
- देवनागरी लिपि के उद्गम और विकास की जानकारी
- देवनागरी लिपि के विविध आयामों का परिचय

Course Code-CC-610 हिन्दी (मिडीया) संचारमाध्यम एवं अनुवाद

इस अभ्यास से विद्यार्थियों को निम्न उपलब्धियां प्राप्त हुईं ।

- जनसंचार माध्यम के स्वरूप का परिचय
- जनसंचार माध्यम के प्रकारों की जानकारी
- संपादन कला के सिद्धांतों की जानकारी
- अनुवाद का अर्थ, परिभाषा और महत्व की जानकारी
- जनसंचार माध्यम और उनकी चुनौतियां और दायित्व का ज्ञान

Department of Gujarati

B. A. Sem. – I

Course Code- CC/CE 101 [The study of poetry: The poetry of Middle Age.]

On completion of this course the students are able to

- To get knowledge about the forms and literature reference to Middle Age.
- To get knowledge of the writers of the Middle Age.
- Students become familiar with the poetry of Middle Age.
- To get information and knowledge of the cultural of the Middle Age.

Course Code CC/CE 102 The study of prose. “Agiyar Dera”

completion of this course the students are able to

- To get knowledge of various forms of Modern Literature.
- To get knowledge of short-story as a form of literature.
- To get knowledge about the social and cultural condition of the period.
- To become familiar with the Author and his works.

Course Code E. O. 105 The study of literary work “Mansai Na Deeva”

On completion of this course the students are able to

- Students get knowledge about Javerchand Meghani as a writer.
- To get knowledge about Ravishankar Maharaj.
- Students become familiar with the heritage of culture.

Course Code CC/CE 201 [The study of poetry] (Aaj Andhar Khushboo Bharyo Lagto)

On completion of this course the students are able to

- To get knowledge of Modern Literature.
- To understand the contribution of a writer in poetry.
- To get knowledge of various themes and mood of an author.
- To understand the language, rhymes and rhythm of poetry.

Course Code CC/CE 202 The study of prose. “Avrut”

On completion of this course the students are able to

- Studies get knowledge about “Novel” as a form of Literature.
- To understand the social and cultural and cultural position depicted by the novelist.
- To feel the emotions and passions that they come across while reading this novel.
- To get knowledge about the life and works of a writer.

Course Code E. O. 205 The study of a work of literature. “Jobanvan”

On completion of this course the students are able to

- To understand various forms of or types of Novel.
- To get knowledge about „Keshubhai Desai“ as a writer.
- To get knowledge about the village life and its culture.
- Become familiar with the qualities of a writer with reference to this work.

Course Code CC/CE 303 [The study of literary form: The Pada of Mira of Middle Age.]

On completion of this course the students are able to

- To get knowledge about the literature of Middle Age.
- To get knowledge of social, cultural heritage of Middle Age.
- To get knowledge about life and works of writers of Middle Age.
- To become familiar with the society and culture of that period.

Course Code CC/CE 304 The study of a writer – „Narmad“ and the poetry of Narmad.

On completion of this course the students are able to

- To get knowledge of „Narmad“.
- To get knowledge about Narmad“'s contribution in literature.
- Understand the variety of themes in Narmad“'s poetry.
- To understand the place of Narmad in literature.

Course Code CC/CE 305 The history of Middle Age Literature. [Part - I]

On completion of this course the students are able to

- To understand the particular age.
- To get knowledge about the literature of Middle Age.
- To understand our social condition and situation.
- To get knowledge about writers and their works of Middle Age.

Sem. – IV

Course Code CC/CE 403 [The study of Gujarati forms of literature.]

On completion of this course the students are able to

- To get knowledge about „Essay“ and its characteristics.
- To get knowledge about major essayist and their contribution in literature.
- To understand the personality of a writer through Essay.

Course Code CC/CE 404 The study of a writer – „Pannalal Patel“ – „Valamana“.

On completion of this course the students are able to

- Students get knowledge about writer and his works.
- To understand the contribution of a writer.
- To understand the writer as a Novelist.
- To understand the dialect that is used in this novel.

Course Code CC/CE 405 The history of Middle Age Literature. [Part - I]

On completion of this course the students are able to

- To get knowledge about “Premanand”.
- To get knowledge about “Akho”.
- To get knowledge about “Shamal”.
- To get knowledge about “Dayaram”.

B. A. Sem. – V

Course Code C. C. 506 [The history of Modern Literature - 1]

On completion of this course the students are able to

- To get knowledge about various ages of Gujarati Literature.
- To get knowledge about various writers of different ages.
- To understand various forms of literature.
- To get knowledge about the possible factors that makes literature.

Course Code C. C. 507 The study of Language –[1].

On completion of this course the students are able to

- To become familiar with Gujarati Language.
- To get knowledge of various distribution of language and its characteristics.
- To understand how to write in literary context.
- They get knowledge of pronunciation and the process of pronunciation.

Course Code C. C. 508 Literary Criticism (1)

On completion of this course the students are able to

- To get knowledge of Art and its types.
- To understand the concepts of poetry and forms of poetry.

- To understand the objectives of poetry.
- To understand the difference between creation and criticism.

Course Code C. C. 509 The study of Literary work - Poetry. [“Valavi Ba Aavi”]

On completion of this course the students are able to

- To get knowledge of sonnet as a literary form.
- To get knowledge about „Ushanas“.
- To get knowledge about the emotions and feelings of sonnet.
- To understand the origin and development of sonnet as a literary form.

Course Code C. C. 510 “ Appreciation “. [Unseen]

On completion of this course the students are able to

- Studies develop their understanding and logic in context in literature.
- Understand the theory of Rasa and its development.
- To understand the importance of language.

B. A. Sem. – VI

Course Code C. C. 606 The history of Modern Gujarati Literature. Part – [2]

On completion of this course the students are able to

- To get knowledge of Modern Period.
- To get knowledge of modern era.
- To understand literary development and changes.
- To understand the real concept of Modern era and literature.

Course Code C. C. 607 Introduction of the forms of Language : 2

On completion of this course the students are able to

- To get knowledge of various languages and their origin of India.
- To get knowledge of various dialects of Gujarati.
- To get knowledge of Gujarati Grammar.
- Enrich Vocabulary.

Course Code C. C. 608 The Idea of literary criticism : 2

On completion of this course the students are able to

- To understand the weight and importance of the words.
- To get knowledge about Indian critic.
- To get knowledge of western critic.
- To get knowledge of Indian Rasa Sutra.

Course Code C. C. 609 The study of Literary work - Prose.[“Mati and Mobh”]

On completion of this course the students are able to

- To get knowledge of Essay.
- To become familiar with Ramchandra Patel.
- To understand various aspects of Nature.
- To understand the locate of village.

Course Code C. C. 610 [Functional Language]

On completion of this course the students are able to

- To develop logic and understanding.
- To get insight and depth in the topic.
- To get knowledge of proverbs and idioms.

- To get understanding and pride for language.

DEPARTMENT OF SANSKRIT

Course Outcomes

Course Code CC -101 (Text : Sabha parva)

On completion of this course,

- Students get introduction to Sanskrit ancient Traditional poetry
- Students get introduction to Social system of the Mahabharata Period
- It is useful in understanding the complexities of ancient times
- It is useful in teaching of Ethical values

Course Code CC-102 (Text Dashkumar Charitam)

On completion of this course,

- Students get introduction to Prose Literature
- It is useful in giving moral Lessons through the stories
- Introducing the contemporary Social life
- Students get general introduction to Sanskrit grammar

Course Code EO 105: Mruchhakatikam

On completion of this course,

- Students becomes familiar with Sanskrit Drama
- Glorification of the lower characters of society
- Political change through public revolution
- Effort to give respectable place to people of lower reputation like dancers , prostitutions etc.

Course Code CC- 104 (Text : Swapna Vasavdattam)

On completion of this course,

- Introduces the Sanskrit drama tradition
- Students become familiar with the contemporary political ethics
- Students become familiar with the contemporary social situation
- Students become familiar with the great ancient Poet, Bhasa and with his literary works.

BA SEM - II

Course Outcomes

Course Code CC -201 (Text : Sabha parva)

On completion of this course,

- Students get introduction to Sanskrit ancient Traditional poetry
- Students get introduction to Social system of the Mahabharata Period
- It is useful in understanding the complexities of ancient times
- It is useful in teaching of Ethical values

Course Code CC 202: History of Sanskrit Literature

On completion of this course,

- Students come to know about the origin of Sanskrit Prose Literature
- Students become familiar with Sanskrit prose writers, poets and dramatists and their literary works
- Students become familiar with the culture of the Gupta Period of India.
- Students become familiar with the Five great epics of Sanskrit

Course Code EO 205 : Nitishatakam

On completion of this course,

- Students become familiar to didactic ethical teaching literary works
- It develops common norms of social behaviour and social customs among students
- Students understand the importance of spiritual and ethical values in life

- Students understand the importance of amicable attitude, knowledge and that of wealth in life

Course Code CC- 204 (Text: Swapna Vasavdattam)

On completion of this course,

- Introduces the Sanskrit drama tradition
- Students become familiar with the contemporary political ethics
- Students become familiar with the contemporary social situation
- Students become familiar with the great ancient Poet, Bhasa and with his literary works.

SANSKRIT : BA SEM - III & IV

Course Code CC – 303 (Text : Raghuvansham / Grammar)

On completion of this course,

- Students become familiar with the great poet Kalidas and his epic
- Students get information about the Sanskrit poetry and its types
- Students come to know about the ideal state administration
- Students become familiar with ideal concept of family

Course Code CC- 304 (Text : Kavyaprakash)

On completion of this course,

- Students become familiar with Sanskrit Alamkar tradition
- Students become familiar with different poetic schools in Sanskrit literary and their theories
- Students become familiar with the essential elements in poetry writing in Sanskrit
- Students get information about Shabdalamkar and arthalamkar, for words and for meanings

Course Code CC- 305 (Text: Abhinav Vedic Pathavali, History of the Vedic Literature and Kathopnishad)

On completion of this course,

- Students get introduction to Vedic Gods
- Introduces the Vedic Culture and Civilization to students
- Makes students familiar with the Vedic philosophy the Suktas and the dialogues
- Introduces the philosophical teaching of the Upanishadas to students
- Introduces students to Indian Civilization and Culture through the Upanishadas

SANSKRIT : BA SEM - IV

Course Code CC -403 (Text : Panchatantra / Fables)

On completion of this course,

- Students become familiar with the origin and development of fables
- Helps teaching morals through fables
- Cultivates humanitarian approach among students
- Additional introduction to grammar through imperative and activity verbs can be given

Course Code CC- 404 (Text: Kavyaprakash)

On completion of this course,

- Students become familiar with Sanskrit Alamkar tradition
- Students become familiar with different poetic schools in Sanskrit literary and their theories
- Students become familiar with the essential elements in poetry writing in Sanskrit
- Students get information about Shabdalamkar and arthalamkar, for words and for meanings

Course Code CC- 405 (Text: Abhinav Vedic Pathavali, History of the Vedic Literature and Kathopnishad)

On completion of this course,

- Students get introduction to Vedic Gods
- Introduces the Vedic Culture and Civilization to students
- Makes students familiar with the Vedic philosophy the Suktas and the dialogues
- Introduces the philosophical teaching of the Upanishadas to students
- Introduces students to Indian Civilization and Culture through the Upanishadas

SANSKRIT : BA SEM - V

Course Code CC -506 Linguistics , Panini's grammatical theories and study of eight cases in grammar

On completion of this course,

- Introduces ancient Sanskrit grammar to students
- Introduction to the Origin and development of Sanskrit language
- Provides basic knowledge of Linguistics
- Students become familiar with classical Indo European languages.

Course Code CC -507 Vedantsar/ Grammar

On completion of this course,

- Inspires students to take interest in Indian Philosophy and Indian thought tradition
- Introduces the principles of the Vedas of Indian philosophical thoughts
- Describing Indian ideological principles in students' mother tongue.
- Students come to understand different theories of philosophy and from the study of different debates among scholarly pioneers of different schools of thought
- Students develop a sense of Sanskrit sandhi and Samas –Compound words in Sanskrit

Course Code CC -508 Yagyvalkya Smruti

On completion of this course,

- Provides knowledge of Indian spirituality, Indian values and Indian traditions
- Introduction of the origin , development and forms of scriptures in Indian tradition
- Understanding the philosophic principles and describing them in students'' mother tongue
- Introduces participles

Course Code CC -509 Shrimad Bhagvad Geeta

On completion of this course,

- Introduces Hindu religion and thought tradition
- Makes students think about ethical and spiritual values in life.
- Inspires students to lead an ideal life
- Gives an idea about the higher philosophical knowledge through the teaching of the Bhagvad Geeta

Course Code CC -510 Kumarsambhavam, prosody and essay

On completion of this course,

- Students become familiar with the structure of Sanskrit prosody
- Students become familiar with Sanskrit epic poetry
- Students get introduction to Modern Poets of Gujarat
- Introduction to Sanskrit grammar and studies

SANSKRIT : BA SEM - VI

Course Code CC -606 Linguistics , Panini's grammatical theories and study of eight cases in grammar

On completion of this course,

- Introduces ancient Sanskrit grammar to students

- Introduction to the Origin and development of Sanskrit language
- Provides basic knowledge of Linguistics
- Students become familiar with classical Indo European languages.

Course Code CC -607 Sankhya karika / Grammar

On completion of this course,

- Students get familiar to Shaddarshan Granthas
- Students get familiar to philosophers of Sankhy philosophy in Sanskrit
- Students understand the principles of Sankhya
- Introduction to Sanskrit compound words and sandhi in Sanskrit

Course Code CC -608 (Arguments /Logic)

On completion of this course,

- Students get introduction to Shaddarshan Granthas
- Introduction to Nyaya, the philosophy of Justice
- Introduction to the Seven basic elements
- Students become familiar with the evidences and their value in Judgment

Course Code CC -609 Shrimad Bhagvad Geeta

On completion of this course,

- Introduces Hindu religion and thought tradition
- Makes students think about ethical and spiritual values in life.
- Inspires students to lead an ideal life
- Gives an idea about the higher philosophical knowledge through the teaching of the Bhagvad Geeta

Course Code CC -610 Buddhacharitam / Prosody and Essay

- Introduction to Buddhism and the Buddha religion
- Students come to know the ways to develop an ideal personality and a sense of sacrifice in life

- Students get familiar with the Jain religion and Jainology
- Students get knowledge of Sanskrit prosody.

DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY

B.A.SEM-I/II

CC 101 (Basic Psychological Processes)

After completing the course the students are able to

- Demonstrate familiarity with the major concepts, theoretical perspectives, and empirical findings in psychology.
- Apply psychological principles to personal and social issues.
- Engage psychological principles of effective learning in your own study and learning.
- Critically evaluate common values and assumptions in psychology.
- Illustrate what psychology as a discipline has to offer.
- Articulate the compatibility and/or incompatibility of psychology with the restored gospel.

CC 102 (Social Psychology: An Introduction)

After completing the course the students are able to

- Know and comprehend the meaning of material relating to social psychology.
- Apply the material of social psychology to other situations.
- Integrate the material with other areas of psychology.
- Analyze and evaluate the worth of the material.

EO-105: Psychology and effective Behaviour

After completing the course the students are able to

- Come to an understanding of the personal role played in the determination of your life.
- Recognize that we do not live in a vacuum, and that our behavior has both a positive and negative effect on those around us.
- Develop skills to promote better self-understanding and control.
- Communication skills will be enhanced, as will a greater appreciation and empathy for others.

B.A.SEM-I/II

CC -201 (Basic Psychological Processes)

After completing the course the students are able to

- Demonstrate familiarity with the major concepts, theoretical perspectives, and empirical findings in psychology.
- Apply psychological principles to personal and social issues.
- Engage psychological principles of effective learning in your own study and learning.
- Critically evaluate common values and assumptions in psychology.
- Illustrate what psychology as a discipline has to offer.
- Articulate the compatibility and/or incompatibility of psychology with the restored gospel.

CC-202 (Social Psychology: An Introduction)

After completing the course the students are able to

- Know and comprehend the meaning of material relating to social psychology.
- Apply the material of social psychology to other situations.
- Integrate the material with other areas of psychology.
- Analyze and evaluate the worth of the material.

EO-205: Applied Psychology

After completing the course the students are able to

- Helping the students to acquaint with the key concept, method, subject matter and applications of psychology.
- To acquaint the students with the concept of adjustment and development.
- To help students to make more affective choice in coping with problems of everyday life.

B.A.SEM-III

CC 303 (Adjustment Psychology / Psychology for Living)

After completing the course the students are able to

- Explain factors that are related to happiness.
- Explain the nature and consequences of stress (positive and negative).
- Create an effective behavior modification program.
- Understand what self-concept, self-esteem, self-attributions, self-regulation, and self presentation are and how each affects adjustment.
- Describe factors influencing our perceptions of others.
- Discuss factors that affect the establishment and growth of personal relationships (of friendship, of love).
- Describe the process of mate selection and factors in marital adjustment.
- Discuss the incidence, causes, and effects of abuse in families.
- Identify changes that commonly occur in adolescence and in adulthood, noting factors that improve adjustment to these changes.
- Describe factors in making a career choice and strategies for obtaining that chosen job.
- Discuss factors that create job stress, identifying at least 3 productive ways to deal with it.
- Understand sexual identity, human sexual expression, and related issues.

- Explain the impact of coping skills and lifestyle upon physical and mental health.
- Be aware of therapy options for adjustment problems and for psychological disorders.

CC 304 (Health Psychology)

After completing the course the students are able to

- Knowledge (e.g., recall facts, basic concepts) - An understanding of cognitive principles in daily life.
- Comprehension (e.g., translate, interpret) - An ability to account for differences in cognitive behavior of individuals using concepts and theories.
- Application (e.g., solve problems in new situations) - Become a learner-teacher who is able to critically evaluate and teach others about human cognition. Analyze (e.g., examine, make inferences), develop and cultivate written and oral communication skills in psychology, enabling collaboration with peers and critical evaluation of others' research work.
- Synthesize (e.g., produce unique outcomes) and Evaluate (e.g., present and defend opinions) - Improved meta-cognition skills, empowering a clear evaluation of personal thought processes and outcomes in a variety of life circumstances.
- Spiritual (e.g., connect secular with spiritual) - Become one who can draw connections between cognitive psychology concepts and gospel principles: to be able to answer this question for yourself: "How is cognitive psychology and the gospel related to one another.

B.A.SEM-IV

CC -403 (Adjustment Psychology / Psychology for Living)

After completing the course the students are able to

- Explain factors that are related to happiness.
- Explain the nature and consequences of stress (positive and negative).
- Create an effective behavior modification program.
- Understand what self-concept, self-esteem, self-attributions, self-regulation, and self presentation are and how each affects adjustment.
- Describe factors influencing our perceptions of others.
- Discuss factors that affect the establishment and growth of personal relationships (of friendship, of love).

- Describe the process of mate selection and factors in marital adjustment.
- Discuss the incidence, causes, and effects of abuse in families.
- Identify changes that commonly occur in adolescence and in adulthood, noting factors that improve adjustment to these changes.
- Describe factors in making a career choice and strategies for obtaining that chosen job.
- Discuss factors that create job stress, identifying at least 3 productive ways to deal with it.
- Understand sexual identity, human sexual expression, and related issues.

- Explain the impact of coping skills and lifestyle upon physical and mental health.
- Be aware of therapy options for adjustment problems and for psychological disorders.

CC -404 (Health Psychology)

After completing the course the students are able to

- Knowledge (e.g., recall facts, basic concepts) - An understanding of cognitive principles in daily life.
- Comprehension (e.g., translate, interpret) - An ability to account for differences in cognitive behavior of individuals using concepts and theories.
- Application (e.g., solve problems in new situations) - Become a learner-teacher who is able to critically evaluate and teach others about human cognition. Analyze (e.g., examine, make inferences), develop and cultivate written and oral communication skills in psychology, enabling collaboration with peers and critical evaluation of others' research work.
- Synthesize (e.g., produce unique outcomes) and Evaluate (e.g., present and defend opinions) - Improved meta-cognition skills, empowering a clear evaluation of personal thought processes and outcomes in a variety of life circumstances.
- Spiritual (e.g., connect secular with spiritual) - Become one who can draw connections between cognitive psychology concepts and gospel principles: to be able to answer this question for yourself: "How is cognitive psychology and the gospel related to one another.